

>

Title: Need to give status and benefits of Indian Armed Forces to the families of martyrs of central paramilitary forces deployed in the country.

श्री अनुभव मोहंती (केन्द्रपाड़ा): सर, धन्यवाद । हम यहां पर जितने भी सांसद हैं, वे देश के विभिन्न राज्यों से आए हैं, विभिन्न यूनियन टेरिटरी से आए हैं । हमारे बीच राजनीतिक मतभेद रहता आया है और होना भी चाहिए, लेकिन जब भी यहां पर हमारी मातृभूमि के मान-सम्मान या इज्जत की बात होती है, तब हम चाहे किसी भी राज्य से हों, किसी भी यूनियन टेरिटरी से हों या किसी भी दल से हों, हम एक ही आवाज में एक ही सुर में मिलकर 'जय हिन्द, भारत माता की जय और वंदे मातरम' बोलते हैं ।

सर, आज मैं उन जवानों के बारे में बात करना चाहूंगा, जिस चीज के लिए वे डिजर्व करते हैं, लेकिन उन तक वह सही चीज नहीं पहुंच पाती है । मैं उनके लिए कुछ बोलना चाहूंगा । हमारी पहली सेना, जो हमें बाहरी ताकतों से रोकती है, वह बोर्डर सिक््योरिटी फोर्स (बीएसएफ) होती है । उसके बाद आर्मी आती है । उसके बाद हिन्दुस्तान के भीतर हमें इलेक्शन से लेकर हर एक चीज से प्रोटेक्ट करती है, पार्लियामेंट को भी प्रोटेक्ट करती है, वह सीआरपीएफ है । हिन्दुस्तान में सीआईएसएफ भी है । मैं इंडियन आर्मी को जिंदगी में किसी से तुलना करने की हिमाकत नहीं कर सकता हूँ । मेरी मांग यह है कि जब पुलवामा अटैक में 40 जवान मरे थे, शहीद हुए थे तो वे सिर्फ नाम के ही शहीद थे । असल में उनको आज तक शहीदों का दर्जा नहीं मिला है । उनकी कई सारी डिमाण्ड्स हैं । जब पार्लियामेंट में अटैक हुआ था, उसमें भी सीआरपीएफ के जवान शामिल थे ।

सर, मेरी आपके माध्यम से मांग है । अगर किसी मां के चार बेटे होते हैं या चार औलादें होती हैं और एक ही तरह की गोली सब अपने सीने पर खाते हैं तो उनमें से एक को शहीद और बाकी तीनों को शहीद का दर्जा हम क्यों नहीं देंगे? उनको शहीद का दर्जा और मान-सम्मान क्यों नहीं देंगे? ...(व्यवधान) They

should be provided with the old pension scheme as was available prior to 2004, canteen on the pattern of Canteen Stores Department for the defence forces, paramilitary service pay, ex-servicemen status like the army personnel, reservation and quota relaxation in government jobs, other privileges like one-rank one pension, martyrdom benefits on the lines of army to the next of kin like quota in medical and engineering seats ...(*Interruptions*) voluntary retirement on family grounds, quota in Sainik Schools, ...(*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON : You have made your point.